# स्वच्छ भारत मिशन

# स्वच्छ भारत मिशन

## 1. स्वच्छ भारत मिशन एवं स्वच्छता कार्य योजना

स्वच्छ भारत मिशन सभी मंत्रालयों, विभागों और संलग्न कार्यालयों में स्वच्छता को मुख्यधारा में लाने की दृष्टि से शुरू की गई एक पहल है। स्वच्छ भारत मिशन को पूरे वर्ष जारी रखने के लिए माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित स्वच्छता पखवाड़ा का उद्देश्य स्वच्छ भारत मिशन को 'हर किसी का काम' बनाने के लिए भारत सरकार को शामिल करके स्वच्छता के मुद्दों और प्रथाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करना है। कैबिनेट सचिवालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के साथ मिलकर कोयला मंत्रालय के तहत सभी कर्मचारियों और संबद्ध संगठनों के बीच स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांक 16 जून, 2024 से 30 जून, 2024 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान चलाया।

स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर, श्री अमृत लाल मीणा, सचिव (कोयला) ने स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण बनाए रखने के लिए प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए स्वच्छता शपथ दिलाई। सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने मिशन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

कोयला मंत्रालय ने प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाने और हरित पहल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वच्छता पखवाड़ा सप्ताह के दौरान मंत्रालय के अधिकारियों के बीच जूट बैग और पौधों का वितरण करके स्वच्छता और संधारणीयता को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया।

स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान कोयला मंत्रालय द्वारा की गई कुछ प्रमुख पहलों की सूची नीचे दी गई है: –

1. पेड़ लगाना।
2. प्रसिद्ध स्थानीय स्थानों की सफाई।
3. जागरूकता अभियानों का समन्वय करना।
4. व्यावसायिक भवनों से प्लास्टिक को खत्म करना।
5. रचनात्मक और अभिनव विचारों को लागू करना।

## 2. मान्यता

कोयला मंत्रालय के पीएसयू को स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान उनकी सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार केंद्रीय कोयला और खान मंत्री, किशन रेड्डी और केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे द्वारा दिनांक 21 अक्टूबर, 2024 को नई दिल्ली में प्रदान किया गया। इस अवसर पर कोयला सचिव श्री विक्रम देव दत्त और कोयला मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

## I. प्रथम पुरस्कारः एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल)

एनएलसी इंडिया लिमिटेड को दिनांक 16 जून से 30 जून, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा (स्वच्छता पखवाड़ा) के दौरान अपनी नवीन प्रथाओं और सार्वजनिक भागीदारी के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एनएलसीआईएल ने पिछले वर्ष भी स्वच्छता अभियान के लिए प्रथम पुरस्कार जीता है। उपर्युक्त मानदंडों के मूल्यांकन के आधार पर, निम्नलिखित पीएसयू को मान्यता दी गई थीः

एनएलसी इंडिया लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। इनमें आस–पास के गांवों और स्कूलों में स्वच्छ पेयजल, जल निकायों और स्कूल के पानी के टैंकों की सफाई के महत्व के बारे में जागरूकता सत्र आयोजित करना और स्कूलों और इकाइयों में निबंध लेखन, ड्राइंग और क्विज़ जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन करना शामिल था। कंपनी ने कुशल अपशिष्ट पृथक्करण प्रक्रियाओं को लागू करके और कर्मचारियों को स्वच्छता अभियान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को भी संबोधित किया। एक बड़े पैमाने पर सफाई अभियान में कर्मचारी, परिवार, छात्र और आम जनता शामिल थी। इसके अतिरिक्त, एनएलसीआईएल ने जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया का उपयोग किया और स्वच्छ भारत मिशन को बढ़ावा देने के लिए नुक्कड़ नाटकों, नृत्य और उत्साह वार्ता जैसे अभिनव कार्यक्रमों का आयोजन किया।

| कार्य–क्षेत्र | पौधों की संख्या |
|---|---|
| खान और सेवा इकाइयाँ | 3120 |
| थर्मल स्टेशन | 4500 |
| कार्यालय/सहायक सेवाएं | 400 |
| सीएसआर | 730 |
| क्षेत्रीय कार्यालय/परियोजनाएं/संयुक्त उद्यम | 1350 |
| **कुल** | **10100** |

## II. एनसीएल (नेशनल कोलफील्ड्स लिमिटेड)

एनसीएल को 'स्वच्छता पखवाड़ा' 2024 के दौरान क्षेत्र में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए नवीन विचारों को अपनाने, अधिकतम सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित करने और जागरूकता कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए कोयला मंत्रालय द्वारा द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत एनसीएल द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा 2024 अभियान, स्वच्छता और स्वच्छता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास था। पखवाड़े के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों का पर्यावरण और समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। अभियान ने न केवल शामिल क्षेत्रों की स्वच्छता में सुधार किया बल्कि स्वच्छता और संधारणीयता बनाए रखने के प्रति जिम्मेदारी की स्थायी भावना भी पैदा की।

स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के दौरान उनके द्वारा की जाने वाली प्रमुख गतिविधियों का संक्षिप्त सार नीचे सूचीबद्ध है:–

| क्र.सं. | गतिविधियां | आवश्यकताएं | कुल |
|---|---|---|---|
| 1 | वृक्षारोपण | खर्च की गई राशि | **402279** |
| | | लगाए गए पेड़ों की संख्या | **7080** |
| | | स्थानों की संख्या | **33** |
| | | प्रतिभागियों की संख्या | **6480** |
| 2 | स्कूलों, अस्पतालों और कार्यालय परिसरों की सफाई | खर्च की गई राशि | **78200** |
| | | गतिविधियों की संख्या | **69** |
| | | प्रतिभागियों की संख्या | **2559** |
| 3 | गांव और कॉलोनियों की सफाई | खर्च की गई राशि | **150000** |
| | | गतिविधियों की संख्या | **80** |
| | | प्रतिभागियों की संख्या | **2785** |
| 4 | स्वच्छता जागरूकता अभियान | खर्च की गई राशि | **1641580** |
| | | आयोजित गतिविधियों की संख्या | **85** |
| | | प्रतिभागियों की संख्या | **7724** |
| | | खर्च की गई राशि | **16286** |
| 5 | स्वच्छ पेयजल और जल निकायों की सफाई पर जागरूकता | गतिविधियों की संख्या | **58** |
| | | प्रतिभागियों की संख्या | **1002** |
| 6 | प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन अभियान | खर्च की गई राशि | **219692** |
| | | डिस्पोज किए गए अपशिष्ट की मात्रा (केजी) | **212** |
| | | गतिविधियों की संख्या | **239** |
| 7 | कार्यालय को प्लास्टिक मुक्त बनाना और थूकना मुक्त बनाना | खर्च की गई राशि | **124320** |
| | | घटनाओं की संख्या | **48** |
| | | प्रतिभागियों की संख्या | **2470** |
| 8 | वर्षा जल संचयन प्रणाली का विकास करना और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण | खर्च की गई राशि | **30000** |
| | | उन स्थानों की संख्या जहां सुविधा दी गई है | **22** |
| 9 | ठोस अपशिष्ट प्रबंधन | खर्च की गई राशि | **21990** |
| | | घटनाओं की संख्या | **8** |
| | | प्रतिभागियों की संख्या | **195** |
| 10 | अभिनव विचार और कार्यान्वयन | खर्च की गई राशि | **689569** |
| | | कार्यान्वित अभिनव विचारों की संख्या | **12** |

### III. एमसीएल (महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड)

स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के दौरान उनके द्वारा की गई गतिविधियों के लिए एमसीएल को तीसरा स्थान दिया गया था। एमसीएल के स्वच्छता पखवाड़ा 2024 में साफ–सफाई और स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए कई तरह की गतिविधियां शामिल थीं। कर्मचारियों, छात्रों और ग्रामीणों ने स्वच्छता शपथ ली, जबकि जागरूकता कार्यक्रमों में 27 गांवों में नुक्कड़ नाटक, कीर्तन और लोक गीत जैसे सामुदायिक प्रदर्शन शामिल थे। 'स्वच्छता रथ' ने साफ–सफाई और स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आसपास के क्षेत्रों की यात्रा की। एकल–उपयोग वाले प्लास्टिक पर अंकुश लगाने के प्रयासों में 11,000 जूट बैग और शैक्षिक सामग्री वितरित करना शामिल था। लघु फिल्मों के माध्यम से व्यक्तिगत स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा दिया गया और 10 गांवों में 1,500 सैनिटरी नैपकिन का वितरण किया गया। 'एडॉप्ट–ए–प्लांट' पहल में 12,500 पौधों का वितरण देखा गया और पर्यटन स्थलों, स्कूलों, अस्पतालों और कार्यशालाओं में स्वच्छता अभियान चलाए गए। सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार, छात्रों के लिए निबंध प्रतियोगिताएं और वंचित समुदायों में स्वच्छता कार्यक्रमों ने मिशन में और योगदान दिया।

### 3. स्वच्छता ही सेवा

स्वच्छता ही सेवा अभियान भारत सरकार की एक पहल है जिसका उद्देश्य पूरे देश में स्वच्छता को बढ़ावा देना है। अभियान लोगों को अपने परिवेश में स्वच्छता बनाए रखने, स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है। यह अभियान कोयला मंत्रालय और उसके पीएसयू और अधीनस्थ/संलग्न कार्यालयों द्वारा 17 सितंबर से 01 अक्टूबर, 2024 तक 'स्वभाव स्वच्छता– संस्कार स्वच्छता' विषय के साथ मनाया गया। इसके बाद 02 अक्टूबर, 2024 को स्वच्छ भारत दिवस मनाया गया। कोयला मंत्रालय ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और कोयला मंत्रालय और उसके पीएसयू तथा सीसीओ और सीएमपीएफओ में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत स्वच्छता लक्ष्य इकाइयों के परिवर्तन, सफाई मित्रों के लिए स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, स्थानीय स्थानों की सफाई, वॉकथॉन, सफाई मित्र सुरक्षा शिविर, रंगोली–चित्रकला प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कोयला मंत्रालय और इसके पीएसयू तथा संबद्ध/अधीनस्थ कार्यालयों में इस विषय के तहत कुल 963 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 01 लाख से अधिक लोगों की सार्वजनिक भागीदारी हुई। कुल 201 सीटीयू की पहचान की गई और **सामूहिक स्वच्छता अभियान** के लिए 176 कार्यक्रम बनाए गए। इस विषय के तहत कुल 160 कार्यक्रम बनाए गए और सफलतापूर्वक पूरे किए गए। सफाई मित्र के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर, आधार कार्ड सुधार शिविर जैसे विभिन्न शिविर भी आयोजित किए गए। इन शिविरों से लगभग 30,000 लोग लाभान्वित हुए।

कोयला मंत्रालय में स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस) 2024 के शुभारंभ को चिह्नित करने के लिए, स्वच्छता प्रतिज्ञा को दिनांक 17.09.2024 को कोयला मंत्रालय के सचिव श्री एल. वी कांता राव द्वारा एक समारोह में प्रशासित किया गया था, जिसमें सुश्री रुपिंदर बरार, अपर सचिव और सुश्री विस्मिता तेज, अपर सचिव और मंत्रालय के अन्य अधिकारी/कर्मचारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कोयला मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने डीडीडब्ल्यूएस और आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय से प्राप्त दिशा–निर्देशों के अनुसार स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत अनेक कार्यकलाप किए। उनमें से कुछ सर्वोत्तम कार्यकलाप इस प्रकार हैं: –

#### 3.1 सीटीयू परिवर्तनः–

स्वच्छता ही सेवा अभियान के एक भाग के रूप में विशिष्ट क्षेत्रों को सफाई के लिए लक्ष्य इकाइयों के रूप में देखा गया और उन्हें साफ करने तथा परिवर्तित करने के लिए अभिनिर्धारित किया गया। कोयला मंत्रालय के पीएसयू द्वारा कुल 201 सीटीयू को अभिनिर्धारित किया गया और उनका रूपांतरण किया गया। कोयला मंत्रालय के पीएसयू द्वारा कुछ सर्वोत्तम कार्यों को निम्नानुसार सूचीबद्ध किया गया है: –

| पहले | बाद में |
|---|---|
| | |

- 2 दिनांक 01.09.2024 को कोयला नगर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, धनबाद झारखंड में हनुमान मंदिर के पास चयनित स्वच्छता लक्षित इकाई (सीटीयू) की लगभग सौ बीसीसीएल अधिकारियों, कर्मचारियों, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों और कोयला नगर के नागरिकों की जनभागीदारी से सफाई की गई।

| पहले | बाद में |
|---|---|
| | |



- एसईसीएल के कोरबा क्षेत्र में एक सामुदायिक तालाब को सीटीयू के एक भाग के रूप में साफ किया गया था, एसईसीएल परिवार और स्थानीय समुदाय के लगभग 105 व्यक्ति इन साइटों की सफाई में लगे हुए थे, जिससे क्षेत्र में स्वच्छ और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में मदद मिली।

## 3.2 सफाई मित्र सम्मान और सुरक्षा शिविर

कोयला मंत्रालय में "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के दौरान आयोजित "सफाई मित्र सुरक्षा शिविर" का उद्देश्य स्वच्छता कर्मचारियों (सफाई मित्रों) की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करना था। इस कार्यक्रम में स्वच्छता गतिविधियों में शामिल सफाई कर्मचारियों को दस्ताने, मास्क और अन्य सुरक्षात्मक गियर सहित सुरक्षा उपकरण प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, इस पहल ने उनके काम के महत्व पर प्रकाश डाला और अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए उनके स्वास्थ्य और सुरक्षा के बारे में जागरूकता को बढ़ावा दिया। यह कार्यक्रम व्यापक स्वच्छता ही सेवा आंदोलन का भाग था, जो देश भर में

साफ–सफाई और स्वच्छता को प्रोत्साहित करना चाहता है, जिसमें इन प्रयासों में योगदान देने वाले श्रमिकों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

माननीय कोयला और खान मंत्री, श्री जी. किशन रेड्डी ने डब्ल्यूसीएल में सफाई मित्रों के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के दौरान उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिए स्वच्छता कर्मचारियों को सम्मानित किया। श्री रेड्डी ने पूर्व स्वच्छता कार्यकर्ता स्वर्गीय श्री नुनहरे की पुत्री सुश्री महक को उनकी शिक्षा और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की।

### 3.3 एक पेड़ मां के नाम

कोयला मंत्रालय ने "एक पेड़ माँ के नाम" पहल के तहत मिलेनियम पार्क में वृक्षारोपण अभियान चलाया। यह कार्यक्रम स्वच्छता ही सेवा अभियान का एक भाग था, जिसका उद्देश्य स्वच्छ और हरित वातावरण को बढ़ावा देना था। कोयला मंत्रालय में सचिव श्री वी. एल. कांता राव ने पौधरोपण अभियान का नेतृत्व किया और इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ पौधारोपण किया। कोयला मंत्रालय के अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनके सामूहिक समर्पण को दर्शाती है। यह भागीदारी अपने खनन कार्यों में संधारणीय प्रथाओं को एकीकृत करने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है और देश के स्वच्छ और हरित मिशन का समर्थन करने में ऐसी पहलों के महत्व पर प्रकाश डालती है।

### 3.4 वेस्ट टू–आर्टः –

"स्वच्छता ही सेवा" अभियान के दौरान, पर्यावरणीय संधारणीयता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए "वेस्ट टू आर्ट" मूर्तिकला पहल का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में अपशिष्ट पदार्थों, जैसे कि फेंके गए प्लास्टिक, धातु और अन्य पुनर्चक्रण योग्य पदार्थों को कलात्मक मूर्तियों में बदलना शामिल था। इस पहल का उद्देश्य पुनर्चक्रण, अपशिष्ट में कमी और एक अभिनव तथा कलात्मक तरीके से सामग्री के पुनः उपयोग के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। मूर्तियां एक रचनात्मक अभिव्यक्ति और संधारणीय प्रथाओं के मूल्य की याद दिलाती हैं, पर्यावरण संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए जिम्मेदारी से अपशिष्ट के प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालती हैं।

## 4. लंबित मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान 4.0

प्रचालन दक्षता बढ़ाने के लिए भारत सरकार के विजन के अनुरूप, कोयला मंत्रालय ने विशेष अभियान 4.0 शुरू किया जिसमें एक प्रारंभिक चरण (14–30 सितंबर 2024) और कार्यान्वयन चरण (02–31 अक्टूबर 2024) शामिल था। कोयला मंत्रालय ने अपने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू), संबद्ध कार्यालयों और स्वायत्त संगठनों के साथ इस अभियान में बढ़–चढ़कर भाग लिया और बेहतरीन परिणाम प्राप्त किए। प्रमुख गतिविधियों में वास्तविक और इलेक्ट्रॉनिक दोनों फाइलों की तेजी से समीक्षा और वीडिंग शामिल थी। संसद सदस्यों, वीआईपी संदर्भों, लोक शिकायत और प्रधानमंत्री कार्यालय से प्राप्त होने वाले संदर्भों की संख्या में लंबित मामलों की संख्या को कम करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

कोयला मंत्रालय ने **सभी मंत्रालयों/विभागों के बीच स्क्रैप निपटान से फ्री स्पेस (78.46 लाख वर्ग फीट) में पहला स्थान और राजस्व सृजन (38.27 करोड़ रुपये)** में चौथा स्थान प्राप्त किया, जो संसाधन अनुकूलन और संधारणीयता में कोयला मंत्रालय के सक्रिय प्रयासों को दर्शाता है।

विशेष अभियान 4.0 के दौरान मंत्रालय की उपलब्धियां निम्नानुसार हैं:

- **सभी स्टेकहोल्डरों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई के माध्यम से पीएमओ संदर्भों के निपटान में** 100% लक्ष्य प्राप्त किया गया है।
- 30,999 वास्तविक फाइलों और 40,633 ई–फाइलों की समीक्षा की गई और कुल 25,964 फाइलों को वीड आउट कर दिया गया/बंद कर दिया गया।
- संसद सदस्यों, वीआईपी, लोक शिकायतों और प्रधानमंत्री कार्यालय के संदर्भों में लंबित मामलों की संख्या को कम करने पर विशेष बल दिया गया। लोक शिकायतों के लिए 99.4% और एमपी संदर्भों के लिए 94% की निपटान दर प्राप्त की गई थी।

- 78.46 लाख वर्ग फुट स्थान को खाली करने और 9,865 मि.ट. स्क्रैप का निपटान करके 38.27 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया गया।
- विशेष अभियान 4.0 को सोशल मीडिया में 2163 ट्वीट्स, 1137 प्रेस विज्ञप्ति और 61 पीआईबी स्टेटमेंट और कई अन्य सोशल मीडिया पोस्ट (इंस्टाग्राम / फेसबुक / थ्रेड्स आदि) के साथ कवर किया गया था।

स्वच्छता पहल ने कार्यालय परिसरों और आस–पास के क्षेत्रों के भीतर बड़े क्षेत्रों की निकासी की, जिससे अधिक उपयोगी स्थान बन गया। इस प्रयास ने न केवल एक स्वच्छ वातावरण में योगदान दिया, बल्कि स्क्रैप सामग्री के निपटान के माध्यम से बड़ी मात्रा में राजस्व भी उत्पन्न किया।

कोयला मंत्रालय के प्रयासों के परिणामस्वरूप कार्यालय की सफाई में उल्लेखनीय सुधार हुआ, सफाई स्थलों की पहले और बाद की तस्वीरों में स्पष्ट रूप से पर्याप्त प्रगति दिखाई दी।

- स्क्रैप निपटानः अमृत फार्मेसी

| पहले | बाद में |
|---|---|
| | |

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा इंदिरा विहार अस्पताल, बिलासपुर में स्क्रैप को साफ करके बनाई गई अमृत फार्मेसी

- स्थान का कुशल प्रबंधनः टेबल टेनिस कोर्ट

| पहले | बाद में |
|---|---|
| | |

बीसीसीएल ने एक अप्रयुक्त क्षेत्र को टेबल टेनिस कोर्ट में बदल दिया, जिससे कर्मचारी कल्याण और कार्य–जीवन संतुलन को बढ़ावा मिला।

## 5. विशेष पहलः नागरिक भागीदारी और सामुदायिक पहुंच

अभियान की पहुंच देश के सभी कोनों तक फैली हुई है, जिसमें दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्र भी शामिल है। आंतरिक सफाई और रिकॉर्ड–कीऋपग प्रयासों के अलावा, मंत्रालय ने नागरिकों को जोड़ने और स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए स्वच्छता रैलियों, नुक्कड़ नाटकों और समाधान शिविर –1 के जन सहभागिता कार्यक्रम की एक श्रृंखला के माध्यम से अभियान की पहुंच को समुदाय तक बढ़ाया, विशेष रूप से स्कूली बच्चों को अभियान के बारे में प्रोत्साहित और संवेदनशील बनाया गया। स्वास्थ्य जांच और मान्यता सहित सफाई मित्रों के लिए कल्याणकारी पहल स्वच्छता को बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानने के लिए भी आयोजित की गई थी।

विशेष अभियान 4.0 के भाग के रूप में, भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार के सहयोग से अभिलेख प्रबंधन पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जहां मंत्रालय के अधिकारियों ने प्रभावी रिकॉर्ड प्रबंधन प्रथाओं, डाटा अभिगम्यता और संगठनात्मक दक्षता बढ़ाने पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, साइबर सुरक्षा के बारे में अधिकारियों के बीच जागरूकता बढ़ाने और वर्तमान साइबर सुरक्षा चुनौतियों के बारे में अपने प्रशासनिक नियंत्रण के तहत पीएसयू और संगठनों को संवेदनशील बनाने के लिए एक "साइबर जागरूक्त" कार्यशाला आयोजित की गई थी। कार्यशाला में प्रतिभागियों को अपने साइबर सुरक्षा को बढ़ाने, सुरक्षा खतरों को समझने और वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों के लिए व्यावहारिक समाधान लागू करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं से लैस करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। स्वच्छ डेस्क प्रतियोगिताओं, क्विज़ और "वेस्ट टू वंडर" प्रतियोगिता सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन भी स्वच्छ और कुशल कार्यक्षेत्रों को बनाए रखने में जुड़ाव और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

विशेष अभियान 4.0 में एक रचनात्मक आयाम जोड़ते हुए, कोयला मंत्रालय के कुछ संगठनों ने उत्साही कार्यबल भागीदारी के साथ नागरिक भागीदारी और सामूहिक कार्रवाई के साथ अच्छे अभ्यास के भाग के रूप में निम्नलिखित पहल की हैं जो भविष्य की पहलों का समर्थन करेंगे:

**जल संसाधनों की सफाई**

*सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) द्वारा तेलंगाना राज्य के पेद्दापेल्ली जिले में स्थित एससीसीएल के रामागुंडम–I क्षेत्र में गोदावरी घाट पर सफाई*

**सौर पैनल/पेड़:**

सीएमपीडीआईएल ने अपने परिसर में 3ग5 किलोवाट सोलर ट्री स्थापित किए और बीसीसीएल ने कार्यालय और आवासीय भवनों पर 2.3 मेगावाट रूफ टॉप सौर पैनल स्थापित किए, जिसका उद्घाटन राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने स्वच्छ अक्षय ऊर्जा और संधारणीयता को उन्नत करते हुए किया।

**एआई– बिन**

*सीआईएल ने प्रभावी अपशिष्ट पृथक्करण और प्लास्टिक की बोतल निपटान के लिए दो स्मार्ट–रे बिन स्थापित किए, सामाजिक समावेश, उपयोगकर्ता के अनुकूल डिजाइन और लागत–दक्षता को बढ़ावा दिया।*

**वेस्ट–टू–आर्ट**

## इन्वेंटरी प्रबंधन पोर्टल

कोयला मंत्रालय ने माल की कुशल ट्रैकिंग और वितरण, जवाबदेही बढ़ाने और मैनुअल त्रुटियों को कम करने के लिए अपने इन्वेंट्री प्रबंधन को डिजिटाइज़ किया।

विशेष अभियान 4.0 के तहत उपलब्धियां संधारणीयता, दक्षता और कर्मचारी कल्याण के लिए कोयला मंत्रालय की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं। अभिनव अपशिष्ट प्रबंधन समाधान और नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर स्क्रैप सामग्री के रचनात्मक उपयोग और अनुकूलित रिकॉर्ड कीऋपग रखने के लिए पहल तक, इन प्रयासों से लेकर कार्यस्थलों को बदल दिया है और संगठनात्मक प्रथाओं को मजबूत किया है। अभियान के समापन के साथ, मंत्रालय इन सुधारों को बनाए रखने और एक स्वच्छ, अधिक कुशल कार्य वातावरण को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है जो स्वच्छता और परिचालन उत्कृष्टता के लिए सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

## विशेष अभियान के तहत असाधारण निष्पादन के लिए पुरस्कार:

श्री जी किशन रेड्डी, माननीय कोयला और खान मंत्री ने दिनांक 07 जनवरी, 2025 को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम (चिंतन शिविर) में विशेष अभियान 4.0 के तहत उनके असाधारण निष्पादन के लिए कोयला पीएसयू को नीचे दी गई श्रेणियों में सम्मानित किया:

नई पहल/सर्वोत्तम प्रथाएँ:

*सीआईएल मुख्यालय द्वारा "एआई डस्टबिन"*

स्क्रैप से मूर्तिकला और सोलर ट्री की स्थापना:

*सीएमपीडीआईएल*